

दस्तक चाणक्य

वर्ष : 06 अंक : 38

(हिन्दी साप्ताहिक)

लखनऊ, सोमवार 28 सितम्बर, 2026

मूल्य : 1.00 रुपया

पृष्ठ : 8

कांग्रेस का संवैधानिक व लोकतांत्रिक मूल्यों पर विश्वास नहीं-योगी

लखनऊ (यूएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों को खूब खरी-खरी सुनाई। अपने सरकारी आवास पर रविवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह लोग भारत की संवैधानिक संस्थाओं को नुकसान पहुंचाने, राजनीतिक स्वार्थ के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने की हर साजिश का हिस्सा रहे हैं। देश का मुख्य विपक्षी दल व यूपीए गठबंधन से जुड़े अन्य दलों की हरकतें-बयानबाजी गैरजिम्मेदाराना हैं व लोकतांत्रिक

मूल्यों को नुकसान पहुंचाने जैसी हैं। एसआईआर को लेकर भ्रम फैलाया



। एसआईआर पहली बार नहीं हुआ है। देश में इससे पहले 1952, 1957, 1961, 1965-66, 2003 समेत अनेक बार एसआईआर हुआ है। इस बार की एसआईआर की कार्रवाई को लेकर कांग्रेस, सपा, राजद समेत

अन्य दलों ने जो हायतौबा मचाई है, वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। देश में सर्वाधिक समय तक शासन करने वाली कांग्रेस लगातार चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा कर रही है। सपा, कांग्रेस, राजद आदि विपक्षी दल यदि चुनाव जीतें तो इनका पुरुषार्थ है परंतु भ्रष्टाचार, आर्थिक कदाचार, कुनीति, अराजकतापूर्ण कार्यों के कारण यदि जनता इन्हें खारिज करे तो इसके लिए चुनाव आयोग और ईवीएम दोषी है। इन दलों को बचकाने बयानों को लेकर चिंतन व आत्मालोकन करना चाहिए। इन

लोगों द्वारा हर संवैधानिक संस्था को लगातार कटघरे में खड़ा किया जाता है। यह लोग चुनाव आयोग पर लगातार हमलावर हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कैबिनेट में भारत की न्यायपालिका की निष्पक्षता पर प्रश्न खड़ा किया था। 2019 में कैंग ने राफेल के मुद्दे पर अपना आबजर्वेशन दिया था, इस पर भी कांग्रेस ने सवाल खड़े किए थे। ईवीएम से हुए चुनाव में केंद्र व कई राज्यों में कांग्रेस की सरकार बनी, उस ईवीएम को ब्लैक बॉक्स कहकर भारत की चुनाव प्रणाली व दुनिया

के सबसे बड़े लोकतंत्र पर सवाल खड़ा करना दुर्भाग्यपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि इनका संवैधानिक व लोकतांत्रिक मूल्यों पर विश्वास नहीं है। 25 जून 1975 को कांग्रेस ने जब देश के संविधान का गला घोटने का पाप किया था, तब उनके नेतृत्व की सरकारों ने विपक्षी दलों की चुनी गई तमाम सरकारों को अनैतिक तरीके से गिराने का पाप किया था। अपनी भ्रष्टाचारप्रणाली, आर्थिक कदाचार के कारण देश की आंतरिक-वाह्य सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया।

मन की बात: सर्जिकल स्ट्राइक के 10 साल पूरे, आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 138वें एपिसोड में आतंकवाद के खिलाफ भारत की कार्रवाई का जिक्र किया। उन्होंने 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक के 10 साल पूरे होने का उल्लेख करते हुए कहा कि 28-29 सितंबर

भारत की नीति को दुनिया के सामने नए तरीके से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि सीमा पार जाकर की गई कार्रवाई ने दुनिया का ध्यान आकर्षित किया था। प्रधानमंत्री के अनुसार, सर्जिकल स्ट्राइक आतंकवाद के खिलाफ भारत की ओर से दिया गया निर्णायक जवाब



2016 को भारतीय सेना ने नियंत्रण रेखा (स्वर्ण) पार कर पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों के खिलाफ कार्रवाई की थी। प्रधानमंत्री ने इसे आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख में बदलाव का उदाहरण बताया। मोदी ने अपने संबोधन में सर्जिकल स्ट्राइक के अलावा बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपना रुख स्पष्ट रखा है और देश पर आतंकी हमला होने की स्थिति में जवाब दिया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद के कारण भारत ने लंबे समय तक पीड़ा झेली है। उनके मुताबिक, 28-29 सितंबर 2016 को भारतीय सेना की कार्रवाई ने आतंकवाद के खिलाफ

था। हालांकि, अपने संबोधन में मोदी ने केवल 2016 की कार्रवाई तक बात सीमित नहीं रखी। उन्होंने बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर का भी उल्लेख करते हुए आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति को रेखांकित किया। भारत ने बार-बार अपना रुख स्पष्ट किया है कि आतंकवादी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज का भारत आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में आतंकवादी हमलों के पुराने मामलों का भी उल्लेख किया। उन्होंने 2008 के दिल्ली सीरियल ब्लास्ट और 26/11 मुंबई आतंकी हमले को याद किया।

GSTIN: 09AYAPS6381C1ZA GOOD LNO: 22724870000055

+ उत्कर्ष +

हेल्थ केयर

📍 पता - H.No - 4/14 मो.मेमरान, नियर रेलवे स्टेशन, फर्रुखाबाद उ.प्र.

नोट | थोक व फुटकर आयुर्वेदिक दवाइयां उचित रेट पर मिलती हैं।

प्रो. - डॉ. धर्मवीर सिंह

मो. - 9450102265

संपादकीय

यूपी में आप्त की बारिश, किसानों से लेकर आम आदमी तक परेशान

उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही बारिश ने आम जनजीवन



को प्रभावित कर दिया है। जिस बारिश का इंतजार किसान लंबे समय तक करते हैं, वही बारिश जब जरूरत से ज्यादा होने लगे तो राहत के बजाय आप्त बन जाती है। प्रदेश के कई इलाकों में बारिश के कारण जलभराव, आवागमन में परेशानी और फसलों को नुकसान जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। दो दिनों की लगातार बारिश ने एक बार फिर प्राकृतिक आपदा से निपटने की तैयारियों और ग्रामीण क्षेत्रों की बुनियादी सुविधाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बारिश का असर केवल सड़कों और गलियों तक सीमित नहीं है। इसका सीधा प्रभाव किसानों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों और रोजाना काम करके परिवार चलाने वाले लोगों पर भी पड़ा है। खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान होने की आशंका के बीच किसानों की चिंता बढ़ गई है। वहीं, जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को आवागमन, पेयजल और दैनिक जरूरतों से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। 27 सितंबर को प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार, प्रदेश में 48 घंटे के दौरान बारिश से जुड़ी घटनाओं में कई लोगों की मौत हुई। कई मकानों और फसलों को भी नुकसान पहुंचा है। लखनऊ के साथ साथ प्रदेश के कई जिलों में जलभराव और फसलों को नुकसान पहुंचने की खबरें सामने आई हैं। ऐसी स्थिति में जरूरी है कि प्रशासन प्रभावित गांवों में जाकर फसलों के नुकसान का पारदर्शी आकलन करे। जिन किसानों की फसलें बर्बाद हुई हैं, उन्हें नियमानुसार मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए।

लगातार बारिश और बाढ़ की आशंका को देखते हुए प्रशासन के सामने राहत एवं बचाव कार्यों की चुनौती है। प्रशासन को चाहिए कि संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाए, जरूरत पड़ने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए और बिजली, सड़क तथा स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए तत्पर रहे। उत्तर प्रदेश में बारिश से उत्पन्न हालात केवल एक मौसमी समस्या नहीं, बल्कि आपदा प्रबंधन और बुनियादी सुविधाओं की तैयारी की भी परीक्षा है। हर साल बारिश के दौरान जलभराव, फसल क्षति और मकानों के गिरने जैसी समस्याएं सामने आती हैं। ऐसे में दीर्घकालिक समाधान पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक है। शहरी क्षेत्रों में बेहतर जलनिकासी, ग्रामीण इलाकों में नालों की नियमित सफाई, नदियों के आसपास बसे गांवों में समय रहते चेतावनी और किसानों को त्वरित सहायता जैसी व्यवस्थाओं को मजबूत करना होगा। आज जरूरत इस बात की है कि प्रभावित लोगों को तत्काल राहत मिले और भविष्य में ऐसी परिस्थितियों से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए स्थायी कदम उठाए जाएं।

भगत सिंह के सवालों के लिए क्या हम तैयार हैं?

राजीव शुक्ला

शहादत के रंग में आजादी को देखने का एक नजरिया मात्र बन गए हैं भगत सिंह और आधुनिक तौर पर देखा जाए तो भगत सिंह की तस्वीर में सिर पर पगड़ी या टोपी, चेहरे पर हल्की गंभीर सहजता, आंखों में दृढ़ता और उम्र महज 23 साल। हम उन्हें देखते हैं, याद करते हैं, उनके नाम के नारे लगाते हैं और उनकी शहादत को सलाम करते हैं लेकिन भगत सिंह की कहानी उनकी तस्वीर से कहीं बड़ी है। तस्वीर उन्हें याद रखने का जरिया है, उनके विचार हमें उन्हें समझने की जिम्मेदारी देते हैं और शायद यही कारण है कि भगत सिंह को याद करना आसान है लेकिन उन्हें पढ़ना थोड़ा असहज करने वाला काम है। लाहौर जेल में अपने जीवन के आखिरी दिनों में भी भगत सिंह का रिश्ता किताबों और विचारों से बना रहा। उनके लेखों, पत्रों और साधियों के दस्तावेजों में एक ऐसा युवक दिखाई देता है, जो जानता था कि उसके जीवन के दिन गिने जा चुके हैं, फिर भी उसके सवाल खत्म नहीं हुए थे। वह अपने फैसलों पर सोच रहा था, समाज को समझने की कोशिश कर रहा था और यह भी सोच रहा था कि जिस आजादी के लिए उसने अपना जीवन दिया, उसका मतलब आखिर क्या है। अगर असेंबली में बम फेंकने की घटना को ही देखें तो इसके तरीके से यह साफ है कि भगत सिंह और उनके साधियों के लिए यह केवल विस्फोट नहीं था, बल्कि वे इसे एक राजनीतिक संदेश के रूप में देखते थे। वे चाहते थे कि उनकी बात अदालत और सार्वजनिक बहस के माध्यम से लोगों तक पहुंचे और यहीं से तस्वीर वाला भगत सिंह और विचार वाला भगत सिंह अलग-अलग दिखाई देने लगते हैं। तस्वीर में वे साहसी हैं और दस्तावेजों में वे सवाल करने वाले युवा हैं और आज उन्हें समझने की सबसे बड़ी जरूरत यही है कि उनकी शहादत को उनके विचारों से अलग करके न देखा जाए।

भगत सिंह के लिए अंग्रेजी शासन से मुक्ति जरूरी थी, लेकिन सवाल यहीं खत्म नहीं होता था। वह यह भी सोच रहे थे कि सत्ता बदलने के बाद समाज कैसा होगा। क्या सिर्फ अंग्रेजों के चले जाने से गरीब और अमीर के बीच का अंतर खत्म हो जाएगा? क्या राजनीतिक आजादी अपने आप सामाजिक बराबरी ले आएगी? क्या मजदूर और किसान की जिंदगी बदल जाएगी? क्या आम आदमी को अपने विचार रखने की आजादी मिलेगी? इन सवालों को आज के भारत में हूबहू लागू करना सही नहीं होगा। 1930 का भारत और 2026 का भारत एक जैसा नहीं है लेकिन

सवालों की प्रकृति में कुछ समानताएं जरूर दिखाई देती हैं। आज भारत तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था है। विकास, बुनियादी ढांचे और नए अवसरों की चर्चा होती है। साथ ही रोजगार और अच्छी नौकरी का सवाल लाखों युवाओं के सामने है। अगर 2026 के सरकारी कुरुस्त्रस् आंकड़ों



में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की आबादी के लिए बेरोजगारी दर 5 प्रतिशत रही, लेकिन 15-29 वर्ष के युवाओं के लिए बेरोजगारी की स्थिति इससे अलग है। 2025 की वाष्क कुरुस्त्रस् रिपोर्ट में इस आयु वर्ग के लिए राष्ट्रीय स्तर पर बेरोजगारी दर 10 प्रतिशत से ऊपर थी। डिग्री लेने वाला युवा रोजगार की तलाश में प्रतियोगी परीक्षाओं की लंबी कतार में खड़ा है, कोई शहर बदल रहा है, कोई अस्थायी काम कर रहा है और कोई बेहतर अवसर के लिए दूसरे देश की ओर देख रहा है। सवाल इतना भर है कि जिस देश की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा आबादी है, क्या उस युवा को केवल रोजगार चाहिए या उसे आगे बढ़ने के समान अवसर भी चाहिए? और आर्थिक सवाल यहीं खत्म नहीं होता। भगत सिंह की चिंता का एक बड़ा हिस्सा आर्थिक और सामाजिक असमानता से जुड़ा था। एक परिवार के लिए विकास का मतलब नया फ्लाईओवर या डिजिटल सुविधा हो सकता है, तो दूसरे परिवार के लिए इसका अर्थ बच्चों की अच्छी शिक्षा, स्थायी रोजगार और इलाज का खर्च उठाने की क्षमता हो सकता है। आज भी किसी बच्चे का भविष्य केवल उसकी मेहनत से तय नहीं होता। उसके परिवार की आर्थिक स्थिति, गांव या शहर में रहना, स्कूल की गुणवत्ता, डिजिटल पहुंच और सामाजिक परिस्थितियां उसके अवसरों को प्रभावित करती हैं। इसका मतलब यह नहीं कि भारत में कुछ बदला नहीं है। बदला है और बहुत कुछ बदला है। लेकिन सवाल यह है कि क्या अवसर भी उतनी ही तेजी से समान हुए हैं? भगत सिंह को इसी जगह पढ़ना दिलचस्प हो जाता है। उनके लिए आजादी केवल सत्ता के हस्तांतरण का नाम नहीं थी। उसमें समाज को

बदलने का विचार भी शामिल था। आज हमारे सामने यह सवाल एक अलग रूप में है कि क्या लोकतंत्र का मतलब केवल वोट देने का अधिकार है या यह भी कि हर नागरिक को सम्मान, अवसर और अपनी बात कहने की जगह मिले? आज सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को बोलने का मंच दिया है लेकिन उसी के साथ एक समस्या भी पैदा हुई है। हम अक्सर जानकारी से ज्यादा अपनी पसंद की जानकारी देखते हैं। जो बात हमारी राय से मिलती है, उसे तुरंत सच मान लेते हैं और जो बात हमारे विचार से अलग होती है, उसे खारिज कर देते हैं। बहस कई बार विचारों की जगह पहचान और निष्ठा की लड़ाई बन जाती है और ऐसे समय में भगत सिंह का पढ़ने वाला और सवाल करने वाला रूप शायद उनकी सबसे जरूरी विरासत है। भगत सिंह को केवल राष्ट्रवादी कहेंगे तो उनके सामाजिक और आर्थिक सवाल पीछे छूट जाएंगे। केवल समाजवादी कहेंगे तो उनकी राष्ट्रीय मुक्ति की चिंता छोटी हो जाएगी। केवल क्रांतिकारी कहेंगे तो उनके पढ़ने, सोचने और लगातार अपने विचार बदलने-विकसित करने वाले पक्ष की उपेक्षा होगी। इसलिए बेहतर सवाल यह है कि उनके विचार आज हमसे क्या पूछते हैं? क्या हमारी आजादी हर नागरिक के लिए समान अवसर में बदल रही है? क्या आर्थिक विकास का फायदा समाज के कमजोर हिस्सों तक पर्याप्त रूप से पहुंच रहा है? क्या हमारे युवाओं के पास रोजगार के साथ अपनी पसंद का जीवन चुनने की स्वतंत्रता भी है? क्या शिक्षा केवल परीक्षा पास करने का साधन रह गई है या वह सवाल करने की क्षमता भी पैदा कर रही है? क्या हम अपने विरोधी विचार को सुनने के लिए तैयार हैं? और क्या हम किसी ऐतिहासिक नायक को केवल तब तक याद करते हैं जब तक वह हमारी सुविधा के मुताबिक बोलता है? ये पूरे समाज के सवाल हैं। भगत सिंह को किसी वर्तमान राजनीतिक खांचे में फिट करने की कोशिश करने की बजाय इन सवालों के सामने खड़ा करना ज्यादा उपयोगी होगा, क्योंकि उनकी सबसे बड़ी विरासत शायद कोई तैयार राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सोचने और सवाल करने की आदत है। आज उनकी तस्वीर दीवार पर लगाना आसान है। विचार को जीवन में उतारना मुश्किल है। शहीद भगत सिंह को फूल चढ़ाना सम्मान है, लेकिन उन्हें पढ़ना जिम्मेदारी। उनके नाम का नारा लगाना स्मृति है लेकिन उनके सवालों को अपने ऊपर लागू करना आत्मपरीक्षण।

संक्षिप्त

एटा दुष्कर्म मामले में कोर्ट का बड़ा फैसला, दोषी को 20 साल की कठोर कारावास

एटा, दस्तक चाणक्य, सोनू यादव: थाना जलेसर क्षेत्र में युवक किशोरी को अपने साथ भगाकर ले गया। इसके बाद उसके साथ दुष्कर्म किया। इसकी रिपोर्ट भाई ने नामजद दर्ज कराई। कोर्ट में सुनवाई के दौरान युवक दोषी पाया गया। जिसे लेकर कोर्ट ने युवक को 20 साल की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर जुर्माना भी किया है। जिसे अदा न करने पर दोषी को अतिरिक्त सजा काटनी होगी। थाना जलेसर में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए पुलिस को बताया कि छह दिसंबर 2022 को उसकी नाबालिग बहन ताई के साथ खेत पर गई थी। उसी समय नाटे निवासी रेजुआ जलेसर अपनी बाइक पर उसकी बहन को बैठाकर ले गया था। तलाश करने के बाद जब उसका कोई सुराग नहीं लगा तो भाई ने आरोपित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। इस पर पुलिस ने जांच करते हुए घटना के साक्ष्य एवं गवाह कोर्ट में पेश कर दिए। जिसे लेकर मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश रेप एंड पाक्सो एक्सो एक्ट की न्यायाधीश सारिका गोयल के समक्ष की गई। जहां अभियोजन पक्ष से मामले की पैरवी एडीजीसी प्रदीप गुप्ता की तरफसे की गई। जिसके दौरान दोषी पाए गए युवक को कोर्ट ने 20 वर्ष की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 80 हजार रुपये का जुर्माना भी किया है। जिसे अदा न करने पर आरोपित को एक वर्ष से अधिक का अतिरिक्त कारावास काटना होगा।

इंटरनेशनल ट्रेड शो में छाए एटा के पीतल और चिकोरी उत्पाद

एटा, दस्तक चाणक्य, सोनू यादव: उत्तर प्रदेश सरकार के फ्लैगशिप आयोजन उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 नोएडा में शुक्रवार से



शुरू हुआ है। इसमें एटा के पीतल उत्पाद, चिकोरी और महिला उद्यमिता ने अपनी पहचान बनाई है। 25 से 29 सितंबर तक आईईएमएल, ग्रेटर नोएडा में आयोजित ट्रेड शो का उद्देश्य प्रदेश के स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, विनिर्माण और उद्यमिता को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ना है। ट्रेड शो में एटा से ओडीओपी के तहत मैसर्स बालाजी ट्रेडिंग कंपनी, जलेसर के बाल गोविंद बंसल तथा जलेसर के जीआई टैग उत्पादों के प्रदर्शन के लिए मैसर्स आर्ट मेटल वेयर के मोहम्मद नईम अंसारी ने प्रतिभाग किया। उनकी स्टॉल पर प्रदर्शित पीतल के घुंघरू, घंटी, घंटा समेत अन्य उत्पाद आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। वहीं ओडीओपी व्यंजन के रूप में एटा की चिकोरी का प्रतिनिधित्व मैसर्स चिकोरी एंटरप्राइजेज के जितेंद्र कुमार मित्तल ने किया। महिला उद्यमिता के क्षेत्र में अलीगंज की मैसर्स गंगासहाय शाक्य मिनी फ्लोर मिल की संगीता मौर्य ने सहभागिता की है। पहले दिन ही अंतरराष्ट्रीय खरीदारों ने एटा के पीतल उत्पादों में रुचि दिखाई और उत्पादों की जानकारी ली। चिकोरी के नवीन उत्पाद को लेकर भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय उद्यमियों ने जानकारी प्राप्त की।

कठेरिया समाज कल्याण समिति की ओर से प्रस्तावित मेधावी छात्र सम्मान समारोह आगे बढ़ा

फर्रुखाबाद, दस्तक चाणक्य, धर्मबीर सिंह: कठेरिया समाज कल्याण समिति की ओर से प्रस्तावित मेधावी छात्र सम्मान समारोह को आगे बढ़ा दिया गया है। यह सम्मान समारोह रविवार को सुनिश्चित था। अध्यक्ष रमेश चंद्र कठेरिया ने बताया कि मेधावी छात्र छात्रा सम्मान समारोह की अगली तारीख जल्द घोषित की जाएगी। इस आयोजन में मेधावी बच्चे सम्मानित किये जायेंगे और उनको कई सामाजिक लोगों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

शाक्य मुनि बुद्ध बिहार में संकिसा पर नई पहल बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षण कार्य शुरू



मैनपुरी, दस्तक चाणक्य, अभिषेक शाक्य: बौद्ध भिक्षु डॉ. आलोक एवं संकिसा भिक्षु संघ के सहयोग से शाक्य मुनि बुद्ध बिहार जसराजपुर संकिसा पर संकिसा भिक्षु संघ के अध्यक्ष डॉ. धम्मपाल महाशेरो जी के संरक्षण में एक नई सामाजिक पहल की शुरुआत हुई। बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने और उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने के उद्देश्य से बौद्ध भिक्षु के सहयोग से निःशुल्क शिक्षण कार्य शुरू किया गया है। इस पहल के माध्यम से जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को शिक्षा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

रविवार को भिक्षु डॉ. अलोक ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज के विकास का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। इसके बावजूद आज भी अनेक बच्चे आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों के कारण

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। इस पहल का उद्देश्य केवल बच्चों को किताबी ज्ञान देना ही नहीं, बल्कि उनमें नैतिक मूल्यों, अनुशासन, सामाजिक जागरूकता और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करना भी है। शिक्षा के माध्यम से बच्चों को बेहतर भविष्य के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में यह प्रयास किया जा रहा है।

इस दौरान दस्तक मीडिया ग्रुप के सम्पादक आदर्श कुमार शाक्य भी इस शैक्षणिक क्लास में पहुंचे तो उन्होंने कहा कि समाज में शिक्षा का प्रसार केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें सामाजिक संगठनों, धार्मिक संस्थाओं और जागरूक नागरिकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। बौद्ध भिक्षु डॉ. अलोक जी का यह सहयोग इसी सामाजिक सहभागिता का उदाहरण है। यदि इस तरह की पहल को निरंतर सहयोग और संसाधन मिलते रहें, तो निश्चित रूप से अधिक

से अधिक जरूरतमंद बच्चों तक शिक्षा पहुंचाई जा सकती है। समाज के सक्षम लोगों को भी ऐसी पहलों में आगे आकर सहयोग करना चाहिए, ताकि कोई भी बच्चा आर्थिक तंगी के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। गौरतलब है कि बौद्ध भिक्षु आलोक कुशीनगर, वाराणसी में भी ऐसी पहल की शुरुआत कर चुके हैं और यहां बच्चों को पढ़ाया भी जा रहा है। इसी कड़ी में संकिसा में हुई शुरुआत आसपास के बच्चों के लिए खास है। इसके अलावा अलीगंज के अगोनापुर में भी ऐसी पहल शुरू हो चुकी है। रविवार के शिक्षण कार्य के दौरान करीब तीस बच्चे पढ़ाई करने पहुंचे। इस दौरान बौद्ध भिक्षु आलोक ने बच्चों को पढ़ाया। यहां शिक्षक कार्य में उपासक सुमित शाक्य, स्वैकान्त शाक्य और उपासिका अनुपमा का विशेष सहयोग रहा। इसके अलावा अभिषेक शाक्य, रवि वर्मा, भूपेंद्र शाक्य इत्यादि लोग भी उपस्थित रहे।



हिन्दुस्तान मोटर्स

मल्टी ब्रांड वॉस कार सर्विस

- कार रिपेयरिंग
- स्पेअर पार्ट्स
- डेंटिंग व पेंटिंग
- अलायमेंट व बैलन्सिंग

- इन्शुरन्स कार रिपेयरिंग
- कार फोम वॉशिंग
- रबींग व पालीशिंग
- कार माडीफाईंग

- सभी बॉमा कंपनी की कॅशलेस व्यवस्था
- पूर्णतः अत्याधुनिक मशीनों से सुसज्जित वर्कशॉप
- उच्च तकनीकी से युक्त मैकेनिकल मैन पावर
- पुरानी कार की खरीद-बिक्री का विश्वसनीय स्थान





पता : निकट राधा स्वामी सतसंग व्यास, नेशनल हाई वे - 34 (जी.टी. रोड) मोगांव, जनपद - मैनपुरी (उ.प्र.) - 205262

Contact No.: 7017993343, 9927774422 (Workshop)

संक्षिप्त

धूमधाम से मनाया जा रहा है आर्य समाज का 125वां भव्य वार्षिकोत्सव

लखीमपुर, दस्तक चाणक्य, अनुज गुप्ता: जिले का 125वां भव्य वार्षिकोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ खुटार रोड स्थित आर्य समाज मंदिर में मनाया जा रहा है। रविवार को कार्यक्रम में वेद के पावन मंत्रों के साथ यज्ञ संपन्न हुआ। यज्ञ में आचार्य के रूप में श्री संत कुमार आर्य, श्री



शिव कुमार शास्त्री एवं भानु प्रकाश शास्त्री ने यजमान के रूप में पधारे आदर्श कुमार गुप्ता सपत्नीक तथा अरविन्द वर्मा सपत्नीक एवं अखिलेश यज्ञसैनी सपत्नीक से आर्य समाज का हवन वैदिक मंत्रों के उच्चारण, अग्नि स्थापना, और शुद्ध घी व हवन सामग्री की आहुतियों के साथ विधि-विधान से कराया। तत्पश्चात आर्य समाज ने पधारे सभी आगंतुक एवं पदाधिकारियों सहित श्रोताओं ने पुष्प वर्षा कर यजमानों को अपना आशीर्वाद दिया और उनके सुख समृद्धि सहित लंबी आयु की कामना की। यज्ञ के बाद आर्य समाज में पधारे आर्य जगत के उच्च कोटि के विद्वानों ने भजनोपदेश द्वारा श्रोताओं का मार्ग दर्शन किया। आर्य समाज का वार्षिक उत्सव महर्षि दयानंद सरस्वती जी द्वारा स्थापित वेदों के प्रचार-प्रसार, सामाजिक सुधार और आत्मिक शुद्धि के लिए हर साल देश और दुनिया भर की स्थानीय आर्य समाज संस्थाओं द्वारा मनाया जाने वाला एक प्रमुख सांस्कृतिक व आध्यात्मिक कार्यक्रम है। इस अवसर पर आर्य समाज के प्रधान गुरुशरण पाठक, उपमंत्री श्रवण कुमार माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष नवीन भसीन, पूर्व मंत्री रणवीर सिंह आर्य, पुस्तकाध्यक्ष श्रीमती विमलेश शुक्ला, अनिल भसीन, सुशील गुप्ता, कमलेश त्रिवेदी, सुरेश कुमार मिश्रा, अनुज कुमार गुप्ता एवं विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं सहित तमाम श्रोतागण उपस्थित रहे।

फर्रुखाबाद में बारिश बनी काल, खुले नाले में बह गया 4 साल का मासूम

फर्रुखाबाद, दस्तक चाणक्य, धर्मबीर सिंह: मऊदरवाजा थाना क्षेत्र के चिलसरा रोड स्थित ढुइया में खुले नाले की तेज धार ने चार वर्षीय मासूम की जान ले ली। पिता के साथ चाय पीने के बाद लघुशंका के लिए घर से निकला रेवांश नाले में जा गिरा। करीब 17 घंटे तक एनडीआरएफ पुलिस, राजस्व और नगर पालिका की टीमों उसकी तलाश करती रहीं। रविवार सुबह घटनास्थल से 500 मीटर दूर सड़क के दूसरी ओर गोभी के खेत में उसका शव मिला। ढुइया निवासी आकाश शाक्य का इकलौता पुत्र रेवांश (4) शनिवार दोपहर करीब सवा तीन बजे तेज बारिश के दौरान घर के बाहर निकला था। कुछ देर बाद उसके नहीं मिलने पर परिजन ने पहले अपहरण की आशंका जताई। एसडीएम सदर संजय कुमार, सीओ और थानाध्यक्ष अजब सिंह पुलिस बल के साथ पहुंचे। एनडीआरएफ की टीम ने नाले और आसपास के क्षेत्र में तलाश शुरू की। देर रात तक कोई सुराग नहीं मिला। रविवार सुबह फिर कई टीमों नाले के किनारे रामपुर ढपरपुर वन क्षेत्र तक खोजबीन में जुटीं। इसी दौरान भोपतनगला के कोटेदार अपने साथी संग पानी में बहे बोरों की खोजबीन कर रहे थे। उन्हें खेत में बच्चा पड़ा दिखाई दिया। एनडीआरएफ ने उसे बाहर निकाला। पुलिस उसे लोहिया अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। रेवांश माता-पिता की इकलौती संतान था। उसकी मौत से मां कोमल समेत परिवार में कोहराम मचा है। दोपहर बाद पांचाल घाट पर उसका अंतिम संस्कार किया गया। एसडीएम सदर संजय कुमार ने बताया कि पैर फिसलने से बच्चा नाले में गिरा था। शव 500 मीटर दूर खेत से बरामद हुआ है। परिजन ने पोस्टमार्टम कराने से इन्कार किया है।

लखीमपुर खीरी डीएम ने अतिवृष्टि व तेज हवाओं से प्रभावित क्षेत्रों का किया स्थलीय निरीक्षण, दिए निर्देश

लखीमपुर, दस्तक चाणक्य, अनुज गुप्ता: डीएम ने ईदगाह में झुके पेड़ से मकानों को खतरा देख तत्काल शिफ्टिंग के निर्देश दिए, शिव कॉलोनी में पंप से जलनिकासी और छाउछ में बिजली बहाली की जमीनी हकीकत परखी। लखीमपुर में अतिवृष्टि और तेज हवाओं के बाद शहर में उत्पन्न परिस्थितियों की दृष्टिगत डीएम अंजनी कुमार सिंह खुद सड़कों पर उतरे। एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह व अन्य प्रशासनिक अफसरों संग विभिन्न मोहल्लों में पहुंचकर उन्होंने जलभराव, गिरे और झुके पेड़ों तथा विद्युत आपूर्ति की स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों को मौके पर ही राहत एवं बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए। डीएम सबसे पहले ईदगाह मोहल्ले पहुंचे। यहां तेज हवा के कारण झुके पेड़ से आसपास के मकानों पर खतरा बना हुआ था। वन विभाग की टीम पेड़ को सुरक्षित तरीके से काटने में जुटी थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डीएम ने आसपास के घरों को तत्काल खाली कराने और प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कराने के निर्देश दिए। इसके बाद डीएम ने शिव कॉलोनी का निरीक्षण किया।

जलभराव की स्थिति देखते हुए उन्होंने सैम्पवेल के माध्यम से पानी पंप आउट कराकर जल्द जलनिकासी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।



पेयजल आपूर्ति प्रभावित क्षेत्रों में भी तेजी से व्यवस्था सामान्य कराने को कहा। डीएम ने बताया कि तेज हवाओं और बारिश से बड़ी संख्या में पेड़

उन्होंने मौके पर मौजूद लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं भी जानीं। इसके बाद डीएम ने विधायक सदर योगेश वर्मा के साथ विद्युत वितरण केंद्र छाउछ का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने मौजूद अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड (प्रथम) से पावर रीस्टोरेशन कार्य की बारीकी से जानकारी ली। अभियंताओं को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित है, वहां प्राथमिकता के आधार पर तत्काल विद्युत बहाल की जाए।

सड़कों व विद्युत लाइनों पर गिर गए हैं। इनके निस्तारण के लिए वन विभाग और लोक निर्माण विभाग की संयुक्त टीमों लगाई गई हैं। सभी संबंधित विभाग मौके पर डटे हैं और प्रभावित क्षेत्रों में बिजली व पेयजल आपूर्ति शीघ्र बहाल कराने के प्रयास जारी हैं। डीएम ने कहा कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। निरीक्षण के दौरान एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, एसडीएम सदर ध्वजादित मजिस्ट्रेट चेलवा राजू आर, ईओ संजय कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गन्ना समिति सामान्य निकाय की बैठक में किसानों ने किया हंगामा, डेलीगेट और किसानों ने गन्ना भुगतान का किया प्रस्ताव

लखीमपुर, दस्तक चाणक्य, अनुज गुप्ता: गोला गोकर्णनाथ में स्थित स्थानीय सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड के सामान्य निकाय की बैठक में किसानों और डेलीगेटों ने बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड के गन्ना भुगतान को लेकर हंगामा किया और 15 अक्टूबर तक ब्याज सहित गन्ना भुगतान करवाने और भुगतान न करने पर चीनी मिल का पेराई सत्र शुरू करने का प्रस्ताव पारित करने की मांग की।

बैठक शुरू होने से पहले ही समिति के डेलीगेट अनिल कुमार, जगदीश प्रसाद, विनोद कुमार, भूपराम, प्रेम सागर ने सचिव बलवंत चौधरी को लिखित प्रस्ताव दिया जिसमें लिखा गया कि गन्ना किसान बजाज चीनी मिल के भुगतान के लिए परेशान हैं लेकिन बैठक के विचारणीय विषयों में यह बिंदु नहीं रखा गया। पत्र में 15 अक्टूबर तक मय ब्याज गन्ना भुगतान करे अन्यथा पेराई सत्र शुरू न करने की अनुमति न देने का प्रस्ताव कर गन्ना आयुक्त को प्रस्ताव की प्रतिलिपि भेजे जाने का आग्रह किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए गोला विधायक माननीय अमन गिरि ने कहा हमारी सरकार किसानों के लिए हितबद्ध है उन्हें प्रसन्नता है कि सहकारी गन्ना विकास समिति गन्ना किसानों के लिए काम कर रही है। राष्ट्रीय किसान शक्ति संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पटेल श्री कृष्ण वर्मा ने कहा कि समिति अध्यक्ष बीना सिंह ने सचिव को पत्र लिखकर गन्ना ब्याज का हिसाब मांगा था तो गन्ना भुगतान के बारे में बैठक में विचारणीय विषय के लिए क्यों नहीं लिखा जो किसानों के हित में बहुत ही आवश्यक विषय था। उन्होंने कहा कि बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड के गन्ना महाप्रबंधक जब गन्ना भुगतान नहीं कर सकते तो मंच पर उन्हें स्थान

नहीं दिया जाना चाहिए इस पर विधायक अमन गिरि से उनकी नोक झोंक भी हुई, जिस पर विधायक ने कहा कि यह एजीएम की बैठक है यहां किसानों की नेतागिरी नहीं चलेगी। श्रीकृष्ण वर्मा ने मंच पर बैठे विधायक से कहा है कि बिना भुगतान दिये और इस पेराई सत्र का 14 दिन में भुगतान की शपथ पत्र दिये बिना चीनी मिल का चक्का नहीं घूमने दिया जाएगा। राष्ट्रीय किसान शक्ति



संगठन के जिला अध्यक्ष संतोष सिंह ने कहा कि बजाज चीनी मिल पहले गन्ना किसानों का भुगतान करें अन्यथा पिछले पेराई सत्र का गन्ना भुगतान करने के बाद ही चीनी मिल चलेगी। उन्होंने कहा कि भारी वर्षा और तेज हवाओं के कारण गन्ना किसानों का गन्ना और धान की फसल खेतों में गिर गई है, जिसे संभालना बहुत आवश्यक है इसलिए तुरंत गन्ने का भुगतान कराया जाए। बैठक को समिति के पूर्व अध्यक्ष आशीष सिंह, पूर्व अध्यक्ष सुरेश चंद वर्मा आदि ने भी संबोधित किया। बैठक में गत वार्षिक साधारण सभा 17 मई की पुष्टि, चीनी मिल के गन्ना सुरक्षण, गन्ना समिति में आउट सोर्स माध्यम से लेखाकार नियुक्ति, समिति परिसर में कैंटीन मार्केटिंग सेंटर खोलने और लेखाकार परीक्षा हेतु चार्टर्ड अकाउंटेंट पैनल गठन के प्रस्ताव पर भी विचार किया गया बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष बीना सिंह ने एवं संचालन सचिव बलवंत चौधरी ने किया।

संक्षिप्त

सात साल से फरार चल रहा हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

फर्रुखाबाद, दस्तक चाणक्य, धर्मबीर सिंह : जीआरपी थाना पुलिस ने 7 साल से फरार चल रहे हिस्ट्रीशीटर विक्रम गिहार को गिरफ्तार किया है। आरोपी थाना कोतवाली कन्नौज के मकरंद नगर कुतलपुर का रहने वाला है और जीआरपी फर्रुखाबाद का हिस्ट्रीशीटर नंबर 33 ए है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर प्लेटफर्म नंबर 4 व 5 के आउटर से उसे पकड़ा। कब्जे से चोरी का एक आईफोन बरामद हुआ। आरोपी पर जीआरपी समेत विभिन्न थानों में चोरी, आर्म्स एक्ट, आबकारी और पॉक्सो एक्ट के 10 मुकदमे दर्ज हैं। टीम में प्रभारी निरीक्षक दिनेश प्रकाश शर्मा, एसआई कीरत कुमार, आरपीएफके अर्जुन सिंह समेत पुलिस कर्मी शामिल रहे।

फर्रुखाबाद एसपी ने 11

पुलिसकर्मियों की तैनाती बदली

फर्रुखाबाद, दस्तक चाणक्य, धर्मबीर सिंह : एसपी ने कानून व्यवस्था सुधारने के लिए शुक्रवार रात 4 निरीक्षक और 7 उपनिरीक्षकों समेत 11 पुलिसकर्मियों की तैनाती में बदलाव किया। पत्तेहगढ़ कोतवाली में तैनात निरीक्षक राजेश कुमार सिंह को लाइन हाजिर कर दिया गया। निरीक्षक रहमत खा को पुलिस लाइन से प्रभारी आईजीआरएस जन शिकायत प्रकोष्ठ और प्रेमचंद को प्रभारी एएचटीयू बनाया गया है। दीचक प्रमोद कुमार को पुलिस लाइन से प्रभारी डायल 112 की जिम्मेदारी दी गई है तो वहीं उपनिरीक्षक संदीप कुमार गौतम को कमालगंज से प्रभारी आयोग सेल भेजा गया। मोहित द्विवेदी मऊ दरवाजा थाने से कमालगंज के खुदागंज चौकी प्रभारी बने। खुदागंज चौकी प्रभारी सुभाष चंद्र को मऊ दरवाजा थाना भेजा गया। राजेश कुमार यादव पुलिस लाइन से नखास चौकी के प्रभारी बनाए गए। आशीष कुमार सिंह को रायपुर चौकी और शाकिर अली को तिकोना चौकी का प्रभारी बनाया गया। सतीश चंद्र यादव को प्रभारी व्यापारी प्रकोष्ठ दृष्टि सेल की जिम्मेदारी मिली है।

निष्पक्ष मीडिया की समाज सेवा की भावना देख बढ़ता कारवां

लखनऊ, दस्तक चाणक्य, धर्मबीर सिंह : निष्पक्ष मीडिया फंडेशन की समाज सेवा भावना उर्वशी माथुर के निवेदन पर सुशीला माथुर के इलाज के लिए जिलाधिकारी वाराणसी, उप जिलाधिकारी वाराणसी से लेकर, क्षेत्रीय लेखपाल तक बात करके मुख्यमंत्री कैप कार्यालय गोरखपुर से निवेदन करते हुए मरीज के अस्पताल के खाते में ढाई लाख पहुंचने से इलाज चालू हुआ। दुर्भाग्य से 11 दिन के इलाज के बाद सुशीला माथुर को बचाया नहीं जा सका। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयप्रकाश श्रीवास्तव की वार्ता शैली और सहयोग की भावना को देख वाराणसी के कायस्थ समाज से तत्काल रमेश चंद्र वर्मा, मनीष श्रीवास्तव, विद्यासागर वाराणसी से क्षेत्रपाल, कन्नौज से पुष्पेंद्र सिंह, बुंदेला पत्रा से अक्षय विसरिया, बरेली से सौम्याश्रीवास्तव, अयोध्या से सुशील कुमार, हरचंदपुर रायबरेली से सर्वेश, फर्रुखाबाद से संगठन के सहयोग के लिए आगे आकर सदस्यता ग्रहण की। संगठन के पदाधिकारी साथियों ने सभी को शुभकामनाएं बधाई दी।

मौरावां के चंदनगंज बाजार का प्रमुख फटक गिरा

उन्नाव (यूएनएस)। नगर पंचायत मौरावां जनपद उन्नाव के व्यस्ततम बाजार में स्थित चंदनगंज बाजार का मुख्य फटक आज अचानक धराशायी हो गया। जिसमें वहां से निकलने वाले कई राहगीर बाल बाल बच गए और खबर मिलने तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश का असर आज नगर पंचायत मौरावां में देखने को मिला जब आज सुबह तकरीबन 10:00 बजे यहां का प्रमुख फटक भरभरा कर गिर गया। रविवार होने के कारण उस समय वहां आवाजाही कम थी और आज फटक के नीचे दुकान भी कम लगी थी इस कारण किसी जान माल के नुकसान होने का शक या फटक नहीं बना। चश्मादीद सतीश तिवारी ने इस संबंध में बताया कि 10 मिनट पहले वह इसी फटक से गुजरे थे और उसके बाद एक राहगीर वहां से निकाला राहगीर के निकालने के बाद ही बमुश्किल 5 सेकंड में यह फटक भरभरा कर गिर गया।

फर्रुखाबाद में शाक्य-कुशवाहा-मौर्य-सैनी समाज का कार्यक्रम, राजनीतिक हिस्सेदारी पर जोर



फर्रुखाबाद, दस्तक चाणक्य, धर्मबीर सिंह : शहर की रस्तोगी धर्मशाला में शाक्य, कुशवाहा, मौर्य और सैनी समाज से जुड़े लोगों का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज की एकजुटता और राजनीतिक हिस्सेदारी को लेकर चर्चा हुई। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में करीब 200 लोगों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम के दौरान मंच पर मौजूद सभी अतिथियों और प्रमुख लोगों का परिचय कराया गया। इस दौरान रामवीर शाक्य, ईजी. अवनीश कुमार शाक्य, सेठ रामवतार शाक्य, लाला विजय बहादुर, रघुवर दयाल मौर्य, सेवानिवृत्त पीडब्ल्यूडी अधिकारी रामरतन शाक्य, जन अधिकार पार्टी के जिला अध्यक्ष कैप्टन प्रभात शाक्य, मंडल अध्यक्ष सुदेश शाक्य, टीएसएस जिलाध्यक्ष शिवकुमार शाक्य और आम आदमी

पार्टी के जिलाध्यक्ष नीरज प्रताप शाक्य सहित अन्य लोग मंच पर मौजूद रहे।

कार्यक्रम में राजीव शाक्य ने समाज के लोगों से एकजुट होकर राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाज के लोगों को राजनीति में अपनी सक्रियता बढ़ाने के साथ-साथ अपने अधिकारों और प्रतिनिधित्व को लेकर भी जागरूक रहना चाहिए। मंच से नीरज शाक्य, कैप्टन प्रभात शाक्य और शिवकुमार शाक्य समेत अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे। वक्ताओं ने समाज की एकजुटता और राजनीतिक भागीदारी को लेकर अपनी बात जनता के सामने रखी। कार्यक्रम के दौरान राजीव शाक्य पुत्र लालबहादुर शाक्य, जो फर्रुखाबाद विधानसभा से पूर्व प्रत्याशी रह चुके हैं, ने अपनी राजनीतिक दावेदारी को लेकर भी

बात रखी। उन्होंने बताया कि वह पिछले कई महीनों से विधायक पद के लिए तैयारी कर रहे हैं। राजीव शाक्य के अनुसार, वह समाजवादी पार्टी से फर्रुखाबाद विधानसभा क्षेत्र में अपनी राजनीतिक तैयारी कर रहे हैं और उनका दावा है कि वह जीत के करीब हैं। वहीं टीएसएस के जिलाध्यक्ष शिवकुमार शाक्य ने समर्थन को लेकर कहा कि समाज के हित और विचारों से मेल खाने वाले प्रत्याशी को समर्थन देने पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज का कोई भी प्रत्याशी किसी भी राजनीतिक दल से चुनाव मैदान में आता है और उसके विचार समाज की अपेक्षाओं से मेल खाते हैं, तो संगठन उसके समर्थन के लिए तैयार रहेगा। कार्यक्रम में राजनीतिक भागीदारी के साथ समाज के लोगों के बीच संवाद और संगठनात्मक एकजुटता पर भी जोर दिया गया।

भरभराकर गिरी कच्ची दीवार, माता-पिता और छह बच्चे दबे, चार बच्चों की हालत गंभीर

कानपुर। सचेंडी थाना क्षेत्र के नयापुरवा कैंधा गांव में सोमवार भोर बारिश के बीच कच्ची दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। दीवार के मलबे में छप्पर के नीचे सो रहे माता-पिता और उनके छह बच्चे दब गए। हादसे में सभी आठ लोग घायल हो गए। इनमें चार बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है। ग्रामीणों ने आनन-फानन मलबा हटाकर सभी को बाहर निकाला और कल्याणपुर सीएचसी पहुंचाया। गंभीर चार घायलों को डॉक्टरों ने हैलेट रेफर कर दिया। नयापुरवा गांव निवासी मुन्ना सिंह (50) मजदूरी करते हैं। उन्होंने बताया कि कच्चे मकान में पत्नी रमाकांती (48) और छह बच्चों दीपक (20), शुभम (9), रौनक (6), अंजली (11), रिंकी (13) व पिंकी (14) के साथ रहते हैं। रविवार रात परिवार के

सभी सदस्य कोठरी से सटे छप्पर के नीचे सोए थे। सोमवार भोर करीब साढ़े तीन बजे लगातार बारिश के बीच कोठरी की कच्ची

और एंबुलेंस को सूचना दी और खुद भी राहत-बचाव में जुट गए। कड़ी मशक्कत के बाद मलबा हटाकर सभी आठ लोगों को बाहर निकाला



दीवार अचानक भरभराकर ढह गई। दीवार का मलबा छप्पर पर गिरा और उसके नीचे सो रहा पूरा परिवार दब गया। दीवार गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। चीख-पुकार सुनकर ग्रामीणों ने पुलिस

गया। इसके बाद घायलों को कल्याणपुर सीएचसी भेजा गया। सीएचसी में डॉक्टरों ने चार बच्चों की हालत गंभीर बताई। उन्हें बेहतर इलाज के लिए हैलेट रेफर किया गया। परिवार के अन्य सदस्यों का भी उपचार किया गया।

यूपी में स्कूल ठीक करो, शिक्षा व्यवस्था पर सीजेपी ने की चर्चा

लखनऊ (यूएनएस)। खघन, उज्ज्वल पांडेय और काकरोच जनता पार्टी ने लखनऊ के राजधानी गेस्ट कार्यकर्ता मौजूद रहे बैठक में

से स्कूलों और स्थानीय समुदायों के साथ संवाद बनाए रखने की अपील

शिक्षा और स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत बताई।

रत्ना सिंह ने ईसीआई और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े जनहित के मुद्दे उठाए और कहा कि इन मुद्दों पर जनता के बीच जागरूकता बढ़ाना जरूरी है। आजाद मोहित ने भी इसी बात का समर्थन करते हुए ईसीआई और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े जनहित के मुद्दों पर संगठन की सक्रिय भूमिका पर जोर दिया। सीजेपी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर 2 अक्टूबर को मुंबई में विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की। सीजेपी ने कहा कि संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य, जनहित, चुनावी जागरूकता और लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर देशभर में काम जारी रखेगा।



हाउस में वालंटियर मीट-यूपी का आयोजन किया गया। बैठक में लीगल अफेयर्स हेड रत्ना सिंह, नार्थ जोन कोऑर्डिनेटर मुहम्मद फ़हान

उत्तर प्रदेश के स्कूल ठीक करो अभियान, सरकारी स्कूलों की स्थिति और शिक्षा व्यवस्था में सुधार पर चर्चा हुई। रत्ना सिंह ने स्वयंसेवकों

की मुहम्मद फ़हान खघन ने सेक्युलर भारत और बेहतर शिक्षा व्यवस्था के लिए काम करने की बात कही। उज्ज्वल पांडेय ने पब्लिक सेक्टर,

मन की बात में गूँजा प्रतापगढ़ का आंवला

प्रतापगढ़ (यूएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' की 138वीं कड़ी में प्रतापगढ़ के आंवले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रतापगढ़ और आंवले का रिश्ता पुराना है, लेकिन अब यह पारंपरिक पहचान किसानों और महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसरों से जुड़ रही है। पीएम ने आंवला प्रसंस्करण से जुड़ी करीब 100 इकाइयों और देवगढ़ कमासी गांव के सावित्री फुले स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का उदाहरण दिया। पीएम के इस उल्लेख के बाद जिले में आंवला उत्पादन और इससे जुड़े कारोबार को लेकर चर्चा शुरू हो गई। पीएम मोदी ने 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' योजना के जरिए स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिलने की बात कही। इनसे किसानों को अपने उत्पाद के लिए बाजार और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने देवगढ़ कमासी गांव के सावित्री फुले स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का उल्लेख

किया। महिलाएं आंवले से कैन्डी, मुरब्बा और जूस बना रही हैं। पीएम ने इसे स्थानीय उत्पादन और महिलाओं की आर्थिक गतिविधियों से जुड़ने के उदाहरण के तौर पर बताया। सदर विधायक राजेंद्र कुमार मौर्य ने कहा कि 'वोकल फॉर लोकल' और ओडीओपी जैसी योजनाओं से स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। 'मन की बात' में प्रतापगढ़ के आंवले का उल्लेख जिले के किसानों, स्वयं सहायता समूहों और आंवला कारोबार से जुड़े लोगों के लिए महत्वपूर्ण है। विधायक ने पीएम विश्वकर्मा और मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रशिक्षण, ऋण और कौशल विकास के जरिए ग्रामीण कारीगरों, युवाओं और छोटे उद्यमियों को अवसर देने का प्रयास किया जा रहा है। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

चिकित्सकों की छवि जीवनदाता की बनी रहे इसलिए कार्रवाई: निशांत

वाराणसी (यूएनएस)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे और बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार रविवार को वाराणसी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बिहार के स्वास्थ्य विभाग के हो रही छापेमारी और कार्रवाई पर कहा कि चिकित्सक जीवनदाता होते हैं और उनकी छवि जीवनदाता की बनी रहे। इसलिए यह कार्रवाई हो रही है। इस दौरान उन्होंने पड़ाव स्थित श्री सर्वेश्वरी समूह (अवधूत भगवान कुष्ठ सेवा आश्रम, पड़ाव) में पीठाधीश्वर परमपूज्य औषधगुरुपद संभव राम जी से आशीर्वाद लिया। इसके पूर्व उन्होंने अघोरेश्वर महाप्रभु के विग्रह पर पुष्पांजलि की और अघोर गणेश की अपरिक्रमा की और चिर कुट देवी विहार मंदिर में

निग्रह देवता के साथ भाग अति का पूजा अर्चन किया। बिहार में हो रही चिकित्सकों और अस्पतालों पर होंगी छापेमारी पर निशांत कुमार ने कहा - डॉक्टरों का काम जीवन देने का है। वो जीवनदाता हैं। उनकी छवि जीवनदाता की बनी रहे इसके लिए हम लगातार प्रयास कर रहे हैं।

ऐसे में हमने वहां काम शुरू किया है। वहीं बिहार में बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था पर निशांत कुमार बिना कुछ कहे गाड़ी में बैठ गए। वाराणसी आने पर उन्होंने कहा काशी से अटूट लगाव मेरा और परिवार का। मैं जब दस साल का था तब यहां आया था आज आया हूं यहां सर्वेश्वरी आश्रम में दर्शन किए हैं और कल सुबह बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद लूंगा।

वाटर टैक्सी का ठेका खत्म करने की मांग, निषाद समाज ने जल शक्ति राज्य मंत्री को सौंपा पत्र

वाराणसी (यूएनएस)। मां गंगा निषादराज सेवा न्यास ने केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री डाक्टर राज भूषण चौधरी निषाद को पत्र सौंपकर काशी के घाटों से वाटर टैक्सी की ठेकेदारी समाप्त करने की मांग की है। न्याय के लेटर पैड पर 27 सितंबर को दिए गए पत्र में कहा गया है कि वृंदावन की तर्ज पर वाराणसी में भी निषाद समाज की मोटर बोट संचालित नावों का लाइसेंस नगर निगम से तत्काल जारी किया जाए और जल पुलिस में गोताखोरों की नियुक्ति की जाए। समाज के लोगों का आरोप है कि वाटर टैक्सी से उनकी रोजी-रोटी छिन रही है। उन्होंने कहा कि पहले किसी सरकार ने इस तरह का ठेका नहीं दिया। निषाद समाज का अनादि काल से नदियों पर नौकायन का अधिकार है। पत्र

पर प्रमोद माझी, राकेश साहनी समेत कई पदाधिकारियों के हस्ताक्षर हैं। निषाद समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि वाराणसी में जल परिवहन के क्षेत्र में निषाद समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनका मानना है कि वाटर टैक्सी के ठेके से उनकी पारंपरिक नौकायन गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि नगर निगम द्वारा निषाद समाज को लाइसेंस दिया जाता है, तो इससे न केवल उनकी आजीविका में सुधार होगा, बल्कि यह स्थानीय पर्यटन को भी बढ़ावा देगा। समाज के सदस्यों ने जल शक्ति राज्य मंत्री से अपील की है कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करें और निषाद समाज के अधिकारों की रक्षा करें। उन्होंने यह भी कहा कि जल पुलिस में

गोताखोरों की नियुक्ति से जल परिवहन की सुरक्षा में सुधार होगा और स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि वाराणसी में जल परिवहन के विकास के लिए निषाद समाज की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार निषाद समाज को उचित अवसर प्रदान करती है, तो यह न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगा, बल्कि वाराणसी के घाटों की सांस्कृतिक धरोहर को भी संरक्षित करेगा। निषाद समाज के सदस्यों ने यह भी कहा कि वे अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहेंगे और यदि आवश्यक हुआ, तो वे आंदोलन भी करेंगे। उन्होंने जल शक्ति राज्य मंत्री से अनुरोध किया कि वे इस मुद्दे

को गंभीरता से लें और निषाद समाज के हितों की रक्षा करें। इस पत्र के माध्यम से निषाद समाज ने स्पष्ट किया है कि वे अपने अधिकारों के लिए किसी भी प्रकार की कार्रवाई करने के लिए तैयार हैं। उनका मानना है कि यदि सरकार उनकी मांगों पर ध्यान नहीं देती है, तो वे अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होंगे। वाराणसी में वाटर टैक्सी के ठेके को समाप्त करने की मांग ने निषाद समाज के अधिकारों और उनकी आजीविका के मुद्दे को एक बार फिर से उजागर किया है। अब यह देखना होगा कि सरकार इस मामले में क्या कदम उठाती है और निषाद समाज को उनके अधिकारों का संरक्षण कैसे सुनिश्चित करती है।

पीयू ने जारी किया सत्र 2026-27 का खेलकूद कैलेंडर

जौनपुर (यूएनएस)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के खेलकूद परिषद ने सत्र 2026-27 के लिए अंतर महाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं का वार्षिक खेलकूद कैलेंडर जारी कर दिया है। खेलकूद परिषद के सचिव प्रो. शेखर सिंह की ओर से जारी कैलेंडर में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय परिसर तथा संबद्ध महाविद्यालयों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। खेलकूद कैलेंडर के अनुसार कुश्ती पुरुष एवं महिला, क्रिकेट पुरुष, क्रिकेट महिला तथा एथलेटिक्स पुरुष एवं महिला की प्रतियोगिताओं का आयोजन वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में होगा। इसके अलावा योगासन पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता भी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित की जाएगी। इस तरह विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न खेल विधाओं की महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। बैडमिंटन पुरुष एवं महिला की जिम्मेदारी टीडीपीजी कॉलेज, जौनपुर, हैंडबाल पुरुष की फ्रीदुल हक मेमोरियल पीजी कॉलेज, जौनपुर तथा फुटबॉल पुरुष की जिम्मेदारी राजा श्री कृष्ण दत्त पीजी कॉलेज, जौनपुर को दी गई है। खो-खो पुरुष के लिए गुलाबी देवी पीजी कॉलेज, सिद्धीकपुर तथा खो-खो महिला के लिए सहकारी पीजी कॉलेज, मिहरावां को आयोजन की जिम्मेदारी मिली है।

36 घंटे की लगातार बारिश से फर्रुखाबाद में जनजीवन अस्त-व्यस्त

फर्रुखाबाद (यूएनएस)। जनपद में करीब 36 घंटे तक लगातार हुई मूसलाधार बारिश ने जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया। लंबे अंतराल के बाद लगातार हुई बारिश से एक ओर जहां लोगों ने मौसम का आनंद लिया, वहीं दूसरी ओर जलभराव, मकानों के क्षतिग्रस्त होने, पेड़ और बिजली के खंभे गिरने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक कई स्थानों पर सड़कें जलमग्न हो गईं और जलनिकासी व्यवस्था की स्थिति सामने आ गई। लगातार बारिश के कारण फर्रुखाबाद नगर पालिका क्षेत्र के कई मोहल्लों और प्रमुख मार्गों पर पानी भर गया। कुछ स्थानों पर सड़कें तालाब जैसी नजर आईं। जलभराव के कारण दोपहिया वाहनों के साथ ही चार पहिया वाहनों की रफ्तार भी प्रभावित हुई। कई जगह



पानी सड़क के किनारे बने नालों और गलियों तक फैल गया। बारिश के चलते कच्चे और जर्जर मकानों को भी नुकसान पहुंचा। नाले में डूबने से चार वर्षीय बच्चे की मौत लगातार बारिश के दौरान कई स्थानों पर सड़क और नाले का अंतर तक दिखाई नहीं दे रहा था। इसी बीच थाना मऊदरवाजा क्षेत्र में चार वर्षीय बालक की नाले में डूबने से मौत हो गई। बताया गया कि बच्चा घर के बाहर निकला था और

पैर फिसलने के कारण बारिश से उफनाए नाले में जा गिरा। काफी तलाश के बाद बच्चे को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। स्कूल की करीब 200 मीटर लंबी दीवार भरभराकर गिरी। भारी बारिश का असर शहर के थाना कादरी गेट क्षेत्र में भी देखने को मिला। कादरी गेट मोड़ के पास सड़क किनारे

स्थित एक स्कूल की करीब 200 मीटर लंबी दीवार बारिश के कारण भरभराकर गिर गई। दीवार गिरने के साथ सड़क का करीब 50 प्रतिशत हिस्सा भी

क्षतिग्रस्त हो गया। इससे प्रकाश कॉलोनी, रत्नेश्वर महादेव गोल्ड के सामने तथा कादरी गेट क्षेत्र में आवागमन प्रभावित हो गया। सड़क का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त होने से स्थानीय लोगों को आने-जाने में परेशानी उठनी पड़ी। खासकर स्कूली वाहनों, छोटे बच्चों, बुजुर्गों और

दोपहिया वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय निवासियों ने नगर पालिका अध्यक्ष पति मनोज अग्रवाल से सड़क की स्थिति जल्द दुरुस्त कराने की मांग की। मनोज अग्रवाल ने लोगों को आश्वासन दिया कि नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी जल्द टीम के साथ जायजा लेंगे और आवश्यक कार्रवाई कराकर मार्ग को जल्द दुरुस्त कराया जाएगा। पेड़ और बिजली के खंभे गिरने से बिजली आपूर्ति प्रभावित लगातार बारिश के दौरान जनपद के कई हिस्सों में पेड़ और बिजली के खंभे भी गिर गए। कई स्थानों पर पेड़ सड़क पर गिरने से आवागमन बाधित हुआ। वहीं बिजली के खंभे गिरने और विद्युत लाइनों के क्षतिग्रस्त होने से कुछ क्षेत्रों में घंटों बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। बारिश के बीच विद्युत व्यवस्था को सामान्य

करने में विभागीय कर्मचारियों को भी परेशानी उठानी पड़ी। जलभराव ने बढ़ाई लोगों की परेशानी लगातार बारिश के चलते शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में जगह-जगह जलभराव की स्थिति बनी रही। कई मोहल्लों में लोगों को घरों से निकलने के लिए पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ा। निचले इलाकों में जलभराव अधिक होने के कारण लोगों की परेशानी बढ़ गई। बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुए मार्गों ने समस्या को और गंभीर कर दिया। करीब 36 घंटे तक जारी रही बारिश ने नगर पालिका और प्रशासन के सामने जलभराव, क्षतिग्रस्त सड़कों और विद्युत व्यवस्था को सामान्य करने की चुनौती खड़ी कर दी है। लोगों ने जलनिकासी व्यवस्था दुरुस्त कराने के साथ ही क्षतिग्रस्त सड़कों और मार्गों की जल्द मरम्मत कराने की मांग की है।

नाले में डूबे चार वर्षीय बालक का शव खेत में मिला, परिवार में मचा कोहराम

फर्रुखाबाद (यूएनएस)। मऊदरवाजा थाना क्षेत्र के दुइयां चुंगी के निकट मूसलाधार बारिश के दौरान नाले में डूबे चार वर्षीय बालक का शव रविवार सुबह करीब आठ बजे घटनास्थल से लगभग एक किलोमीटर दूर खेत की मेड़ के बीच पड़ा मिला। शव मिलने की सूचना पर परिवार में कोहराम मच गया। बालक अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र बताया गया है। दुइयां चुंगी के निकट रहने वाले आकाश शाक्य का चार वर्षीय पुत्र देवांश शनिवार शाम करीब चार बजे घर के बाहर पेशाब करने गया था। इसी दौरान पैर फिसलने से वह मकान के सामने से निकल रहे नाले में जा गिरा। उस समय तेज बारिश के कारण नाले में

पानी का बहाव काफी तेज था, जिससे बालक पानी में बह गया। कुछ देर बाद जब परिजनों को देवांश घर में नहीं मिला तो उन्होंने उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान नाले में बालक के बह जाने की जानकारी हुई। सूचना मिलने पर मऊदरवाजा थाना पुलिस के साथ सीओ सिटी अभय वर्मा और सिटी मजिस्ट्रेट भी मौके पर पहुंचे। बालक की तलाश के लिए एनडीआरएफ की टीम को लगाया गया। पुलिस, एनडीआरएफ टीम और ग्रामीण देर रात तक नाले के आसपास बालक की तलाश करते रहे, लेकिन उसका पता नहीं चल सका। रविवार सुबह करीब आठ बजे कर्बला के निकट ग्राम भोपत नगला निवासी सुधाकर शाक्य के

खेत में मेड़ के बीच देवांश का शव पड़ा मिला। बताया गया कि तेज बहाव के कारण शव नाले के रास्ते पुलिया के नीचे से होते हुए दूसरी ओर चला गया। बारिश और तेज पानी के बहाव से खेत की खाई कटने के कारण शव बहता हुआ गोभी की फसल वाले खेत तक पहुंच गया। शव मिलने की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। देवांश का शव देखते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। इकलौते बेटे की मौत से मां का रो-रोकर बुरा हाल रहा। घटना के बाद गांव और मोहल्ले में भी मातम का माहौल रहा। मऊदरवाजा थानाध्यक्ष अजब सिंह ने बताया कि बालक के शव का पंचनामा भरकर परिजनों को सौंप दिया गया।



टूटे एचटी लाइन के तार की चपेट में आकर महिला की मौत

कायमगंज के मोहल्ला चिलांका निवासी आनंद कुमार की 26 वर्षीय पत्नी रागिनी की सोमवार भोर करंट लगने से मौत हो गई। रागिनी ने 15 दिन पहले ही बच्ची को जन्म दिया था। वह इन दिनों अपने मायके गांव मीरपुर में रह रही थीं। सोमवार भोर में रागिनी दयाराम की नर्सरी के खेत में शौच के लिए गई थी। इसी दौरान वहां टूटे पड़े एचटी लाइन के तार की चपेट में आ गईं। करंट लगने से वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ीं। उधर से गुजर रहे ग्रामीणों ने उसे पड़ा देखा तो बिजली विभाग को सूचना दी। बरझाला फीडर की बिजली बंद कराने के बाद उसे सीएचसी कायमगंज लाया गया। वहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। रागिनी के छह वर्षीय पुत्री अनोखी और चार वर्षीय पुत्र दादू व एक बेबी हैं। उसकी मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शिक्षक सम्मान समारोह

आगरा (यूएनएस)। आगरा में वाइस ऑफ स्कूल एसोसिएशन की ओर से सूरसदन प्रेक्षागृह में 15वें शिक्षक एवं स्नातक सम्मान समारोह तथा वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 500 उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया गया, जिनमें ट्रांस यमुना कॉलोनी स्थित लिटिल एंजेल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के शिक्षक भी शामिल रहे। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राहुल राज कुलश्रेष्ठ ने संगठन की यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 15 वर्ष पूर्व महज 10 विद्यालयों के साथ इस संगठन की शुरुआत की गई थी और वर्तमान में इसके साथ 252 स्कूल जुड़े हुए हैं। समारोह के दौरान ट्रांस यमुना कॉलोनी स्थित लिटिल एंजेल सीनियर सेकेंडरी स्कूल से शिक्षिका पदमा शर्मा, अनुज ठाकुर, रचना जैन, कुनशिकी दीक्षित और सोनिका जैन को उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। शिक्षकों की इस उपलब्धि पर विद्यालय के निदेशक कृष्ण साहब, एडवाइजर निकिता उपाध्याय और प्रधानाचार्या (प्रिंसिपल) अमिता सिंह परिहार ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी सम्मानित शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

भय था कि कहीं जालीदार टोपी न छिटक जाए-योगी

लखनऊ (यूएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राम मंदिर के शिलान्यास व रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में आमंत्रण के बावजूद कांग्रेसी व सपाई नहीं गए, क्योंकि उन्हें वोटबैंक दिखाई देता था। इन्हें भय था कि कहीं जालीदार टोपी छिटक न जाए। सीएम ने चेताया कि रामकाज में कालनेमि भी घुसेंगे, इनसे सावधान रहने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री रविवार को विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंहल के जन्मशताब्दी वर्ष 1926-2026 के उद्घाटन अवसर पर जन समूह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर



पर सीएमएस स्कूल, गोमतीनगर विस्तार में आयोजित समारोह में अशोक सिंहल के जीवन पर डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई। सीएम ने कहा कि सिंहल जी ने श्रीराम जन्मभूमि के 'प्राण' के रूप में अपना जीवन समर्पित किया था। उन्होंने जो ज्वाला प्रज्वलित की थी, रामजन्मभूमि मात्र के लिए नहीं है, बल्कि हर मानबिंदु की प्राण प्रतिष्ठा के लिए है। गुलामी के हर चिह्नों को समाप्त करने के लिए हमें एकजुट होकर कार्य करना है। सीएम ने

आरोप लगाया कि रामद्रोही अयोध्या को बदनाम करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ते। राममंदिर का विरोध और रामभक्तों पर गोलियां चलाने वाले गाहे-बगाहे अपने को राम भक्त ठहराने का प्रयास कर रहे हैं, यह विश्व हिंदू परिषद की वैचारिक विजय है।

उन्होंने बजरंगियों को चेताया कि रामकाज में कालनेमि भी घुसेंगे, इनसे सावधान रहना। बाबर के भक्त आपको अपमानित करने का प्रयास करेंगे, लेकिन बजरंग बली के भक्तों को इनकी साजिश को सफल नहीं होने देना है। रामजन्मभूमि का मामला जब न्यायालय में पहुंचा तो अशोक जी की टीम में तथ्यों व प्रमाण के साथ अधिवक्ता, पुरातत्वविद, विषय विशेषज्ञ होते थे तो दूसरी तरफ कांग्रेस, सपाइयों व वामपंथियों के अनर्गल प्रलाप व झूठे तथ्य होते थे।

वे साजिश करते थे कि राममंदिर के पक्ष में फैसला न आए। कांग्रेस ने उच्चतम न्यायालय में शपथपत्र दिया था कि राम-कृष्ण का कोई वजूद नहीं है। जिन्होंने हिंदु समाज को अपमानित किया, वे लोग हमसे अयोध्या के बारे में प्रश्न पूछ रहे हैं।

अशोक जी ने जिस ज्योति को 1980 के दशक में प्रज्वलित किया था, वह ज्वाला बनकर सकल हिंदू समाज के संरक्षण व संवर्धन के लिए अहर्निश लगी हुई है। अशोक जी काशी

हिंदू विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग करने के दौरान वह आरएसएस के संपर्क में आए। 1528 में प्रभु श्रीराम के मंदिर को तोड़कर विदेशी आक्रांता ने गुलामी का ढांचा बना दिया। इस 500 वर्ष में हिंदू समाज, धर्माचार्य, संत, नागा, सिखवीर, युवा, नारी, राजा कोई चुप नहीं बैठा। हर व्यक्ति निरंतर सिर पर कफ्त बांधकर रामजन्मभूमि की मुक्ति के लिए टूट पड़ता था। वे रामजन्मभूमि के लिए बलिदान देते रहे। अवध क्षेत्र के दर्जनों गांव ऐसे थे, जिन्होंने

500 वर्ष तक चप्पल व साफ नहीं पहना। उस समय ताकत विभाजित थी, हम एकजुट होकर लड़ नहीं पा रहे थे। ए अशोक सिंहल ने इस नेतृत्व की कमी को पूरा किया। 1982 में अशोक जी को जब विहिप का दायित्व मिला। 1983 में राम जन्मभूमि मुक्त यज्ञ समिति का गठन हुआ, तब उनके जीवन का एक ही संकल्प था कि जब तक राम का काम नहीं होगा, तब तक विश्राम नहीं लूंगा। उन्होंने बिना रुके, झुके, डिगे चरैवेति-चरैवेति को जीवन का मंत्र बनाया और संतों को एक मंच पर लाने में सफलता प्राप्त की। 2 नवंबर 1990 को रामधुन गाते भक्तों पर तत्कालीन रामद्रोही सरकार ने लाठीचार्ज व गोलियां चलवाई, तब अशोक सिंहल जी सीना तानकर खड़े हो गए। मेरे गुरुदेव अवेद्यनाथ श्री राम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति के अध्यक्ष थे। अशोक सिंहल के साथ गोरखपुर व कारसेवकपुरम में राम मंदिर आंदोलन, निर्माण आदि को लेकर लगातार बैठकें होती थीं। पहले अयोध्या में परिक्रमा करने पर रोक लगती थी, आज वहां भव्य दीपोत्सव होता है। अयोध्या ने पांच सौ वर्ष तक अपमान व उपेक्षा झेली है। वहां सड़क, बिजली, स्वच्छता, बुनियादी

सुविधाएं नहीं थीं। राम जी की पैड़ी में जल सड़ता था। 2017 में सरकार बनी तो तत्कालीन जलशक्ति मंत्री महेंद्र सिंह ने राम की पैड़ी को ऐसा बना दिया, जैसे हरिद्वार में हर की पैड़ी। अब 5 लाख से अधिक श्रद्धालु एक साथ राम की पैड़ी में स्नान कर सकते हैं। अशोक जी श्वेत वस्त्र में जितने प्रखर सनातनी थे, अंतःकरण से उतने कोमल हृदय के थे। गोरक्षा पर चर्चा करते हुए सीएम ने कहा कि पहले यूपी में अवैध बूचड़खानों में गोमाता कटती थी। 2017 में ये बूचड़खाने बंद हो गए। उप्र में सर्वाधिक सख्त कानून बनाया गया और 7700 से अधिक गोशाला का निर्माण कराया गया। सीएम ने कहा कि नकलची गाय को पशु घोषित करने का ज्ञापन देते हैं। जो गो को पशु कह रहे हैं, उनकी बुद्धि पशुवत है। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक कौशल, संत श्रीकृष्ण शाह विद्यार्थी, रविंद्र कीर्ति स्वामी जी, भंते शीलरत्न जी, सरदार निर्मल सिंह, महंत अवधेश दास, महंत धर्मेन्द्र दास, महंत दिव्य गिरि, विहिप के प्रांत अध्यक्ष कन्हैया लाल अग्रवाल, मंत्री गजेंद्र आदि की मौजूदगी रही।

सपा और कांग्रेस पर डॉ ? संजय निषाद का हमला

लखनऊ (यूएनएस)। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने कहा कि समाजवादी

देने लगते हैं। सपा और कांग्रेस जैसे दल अब भ्रम फैलाकर लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। जनता से मिली हार को विपक्षी दल पचा

देश अच्छी तरह जानता है। आज समाजवादी पार्टी उसी कांग्रेस के साथ गठबंधन के लिए छटपटा रही है। उन्होंने कहा कि जिस ईवीएम के माध्यम से कांग्रेस केंद्र और कई राज्यों में सत्ता में आई, आज उसी ईवीएम को ब्लैक बॉक्स बताकर देश की चुनाव प्रणाली पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

ईवीएम और चुनाव आयोग पर सवाल उठाने से पहले सपा प्रमुख को यह नहीं भूलना चाहिए कि उसी ईवीएम की वजह से वह सांसद और मुख्यमंत्री भी रहे हैं। एसआईआर को लेकर भी विपक्ष फैला रहा है भ्रम मा0 मंत्री ने कहा कि जिस एसआईआर को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव हाथ-तौबा मचा रहे हैं, वह पहली बार नहीं हो रहा है। देश में वर्ष 1952, 1957, 1961, 1965-66 और 2003 में भी एसआईआर हो चुका है।



पार्टी पूरी तरह से हताश है। जनता से लगातार मुंह की खाने के बाद अब विपक्षी दल संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल खड़े कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस-सपा समेत विपक्षी दल चुनाव जीतने पर अपनी पीठ थपथपाते हैं, लेकिन हार मिलते ही ईवीएम और चुनाव आयोग को दोष

डॉ. निषाद ने कहा कि रात-दिन संविधान की दुहाई देने वाले यही लोग संवैधानिक संस्थाओं का मजाक उड़ा रहे हैं। देश पर आपातकाल थोपने वाली कांग्रेस का संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों पर कितना विश्वास रहा है, इसे

बीजेपी के संपर्क वाले नेताओं पर बरसे अखिलेश

लखनऊ (यूएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उन नेताओं को कड़ा और साफसंदेश दिया है, जो कथित तौर पर बीजेपी के साथ संपर्क में हैं। अखिलेश ने दो टूक कह दिया है कि जिन नेताओं के मन में पार्टी छोड़ने का विचार चल रहा है, उनके पास अभी भी पूरा समय है और वे खुद पार्टी छोड़कर जा सकते हैं। सपा प्रमुख के तल्लख तेवर से पार्टी के भीतर खाने मचे

घमासान और संभावित दलबदल को लेकर सियासी गलियारों में सुगबुगाहट तेज हो गई है। अखिलेश ने जता दिया है कि पार्टी लीडरशिप की नजर हर गतिविधि और नेता की हर चाल पर पूरी तरह से बनी हुई है। सिर्फ बागी तेवर वाले नेताओं को ही नहीं बल्कि न्यूज चौनलों की डिबेट में समाजवादी पार्टी का पक्ष रखने वाले प्रवक्ताओं को भी अखिलेश यादव ने कड़ी नसीहत दी है। सपा

अध्यक्ष ने प्रवक्ताओं को निर्देश दिया कि बिना तैयारी के किसी भी बहस में पार्टी का पक्ष बिल्कुल न रखें। आज के दौर में सोशल मीडिया की महज 10 सेकंड की एक रील से ही किसी भी पार्टी की छवि पलभर में बनती और बिगड़ जाती है। टीवी बहसों में उतरने वाले प्रवक्ताओं को हवा-हवाई बातें करने के बजाय ठोस फैक्ट्स



और पुख्ता तर्कों के साथ बात रखनी चाहिए। सूत्रों की माने तो टीवी डिबेट, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, जनता के बीच पार्टी की छवि और आने वाले चुनावी मुद्दों पर प्रवक्ताओं की भूमिका को लेकर भी चर्चा हुई। अखिलेश यादव ने अपने प्रवक्ताओं को चेताया कि वे किसी भी विरोधी दल के नेगेटिव एजेंडे और जाल में फंसने से बचें।